दैनिक भास्कर
रविवार, 29 नवंबर 2020 नोएडा

सभ्यता की झलक : संग्रहालय

विभिन्न संस्कृति, उन देशों की सभ्यताओं का एक अद्भुत कला प्रदर्शन, समय और सीमाओं से परे, दुनिया भर के इतिहास को दर्शाता, विस्तृत और विशाल है। एक अनोखे स्वरूप में अनेक विशिष्टताओं से भरा, पेरिस के बाद, दुनिया का एकमात्र दूसरा लूव्र संग्रहालय।

संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में स्थित लूव्र संग्रहालय कला और सभ्यता का एक संग्रहालय है, जिसे जीन नोवेल द्वारा डिजाइन किया गया है। लूव्र अबू धाबी संग्रहालय की स्थापना दो देशों के बीच साझेदारी के तहत बनाया गया है। गौरतलब है कि इस सांस्कृतिक परियोजना को फ्रांसीसी सरकार और अबू धाबी सरकार के बीच हस्ताक्षरित समझौते के साथ बनाया गया है। इस संग्रहालय को आधिकारिक तौर पर नवम्बर 2017 को कला प्रेमियों के लिए खोल दिया गया था, जो कि आज यहां के सादियात द्वीप में एक नए स्वरूप में सांस्कृतिक संस्थानों के विकास पर आधारित है। चारों तरफ पानी से घिरा 24000 वर्ग मीटर फैले इस म्यूजियम में प्राचीन और आधुनिक कला इतिहास की अभूतपूर्व मास्टर कलाकृतियां विशेष आकर्षण का केंद्र हैं।

इसके विशाल प्रगाढ़ में कई भव्य हाल और दीर्घाओं में ऐतिहासिक संग्रह 100 ईसा पूर्व युग की कलाकृतियों से लेकर हर कोने में कई सारे इतिहास और उनकी कला को एकसाथ बहुत ही प्रभावशाली ढंग से दिखाया गया है। संग्रहालय में उन सभी युगों की और उनकी सभ्यताओं की जो मिली जुली तस्वीर देखने को मिलती है, उससे हम सदियों की प्रचलित आपसी मानवीय कहानियां और उनके बीच आपसी सम्बन्ध को समझ सकते हैं। अबू धाबी लूव्र म्यूजियम की विशेषता यह है कि यह विभिन्न संस्कृतियों को एकसाथ लाकर एक नये दृष्टिकोण से चिन्तन करने और अनेकों रचनात्मक कहानियों पर प्रकाश डालता है। यही नहीं, इस क्षेत्र में हो रहे समकालीन कार्यों को प्रस्तुत करना इस म्यूजियम को अन्य से अलग स्थान दिलाता है। लूव्र अबू धाबी संग्रहालय किसी भी तरह से फ्रांसीसी लूव्र की नकल नहीं, बस उसकी संकल्पना के आधार पर बना है। दरअसल, यह एक सार्वभौमिक संग्रहालय की व्याख्या की पेशकश करने वाली एक व्यक्तिगत संस्था है। संयुक्त अरब अमीरात अपने युग और देश की स्थानीय सृजन की व्यापक परंपराओं को भी दर्शाता है। यही नहीं, इस क्षेत्र में हो रहे शोध के साथसाथ अपने वर्तमान में विकसित संकलन से काम करता है। इसकी विशिष्टता सिर्फ कलात्मक दृष्टि पर आधारित होती है, जो कि सृजन की व्यापक परंपराओं को भी दर्शाती है। इस संग्रह को मुख्यतः दस साल के आधार पर घुमाया जाता है। इस तरह लूव्र न केवल अबू धाबी सांस्कृतिक क्षेत्र में हो रहे कार्य की गतिशील प्रगति का प्रतिनिधित्व करता है, तो दूसरी ओर कलाओं को विकसित करने के लिए फ्रांस संग्रहालय के साथ मिलकर काम करता है, जिसके अंतर्गत वहाँ की कई सांस्कृतिक संस्थान भी शामिल हैं। उनके साथ मिलकर हर साल अनेक प्रदर्शनी आयोजित की जाती है, जहाँ देश विदेश के ज्ञान को फैलाने के लिए दोनों देश संयुक्त मिशन के तहत जागरूकता अभियान चलाते हैं, जिसके अंतर्गत पारंपरिक रूप से विचारों के आदान-प्रदान करने के लिए वर्कशाप का आयोजन किया जाता है। इसका एकमात्र उद्देश्य है नई कलात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करते रहना। लूव्र अबू धाबी की अनूठी प्रदर्शनी डिजाइन, सभ्यताओं और संस्कृतियों के बीच संबंधों की पड़ताल भी करती है, जो थीम-आधारित प्रदर्शन के माध्यम से निर्देशित होती है। यहां प्रदर्शनियां बेहद रोचक होती हैं, जिसके अंतर्गत इस क्षेत्र में खोज और जिज्ञासा रखनेवाले को विभिन्न काल-अवधियों और सभ्यताओं का पता लगाने में मदद मिलती है। यह एक सर्वव्यापी बहुआयामी कला केंद्र है, जो किसी भी एक देश की भौगोलिक, ऐतिहासिक या सांस्कृतिक सीमाओं से परे है। जो एक साझा मानवीय अनुभव से विकसित होने वाली आपसी समानताओं को स्पष्ट करते हुए सार्वभौमिक विषयों और सामान्य प्रभावों को समझने का अवसर प्रदान करता है। लूव्र संग्रहालय का दौरा एक रोमांचक अनुभव है, जो एक सुंदर भवन भी है। यहाँ वास्तुकला की कई वर्षों और पीढ़ियों से दुनिया भर से इकट्ठा किए गए सभी प्रकार के सुंदर सामानों को दिखाने का अद्भुत प्रयास किया गया है। लूव्र के आंगन में भव्य कलात्मक गुंबद के माध्यम से निकलता प्रकाश देखकर ऐसा लगता है कि मानो प्रकाश की झीनी बारिश हो रही हो ...बिल्कुल आश्चर्यजनक लगता है। यह दो संस्कृतियों के बीच सहयोग से फ्रांसीसी डिजाइन को अरब विरासत से जोड़ती झिलमिल और चमकदार अनोखा वास्तुकला का प्रशंसनीय नमूना है। यह अरब प्रायदीप में सबसे बड़ा कला संग्रहालय है। सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों से निहित, जो एक ओर लक्षित सांस्कृतिक प्रगति को दिखाता है, तो वहीं दूसरी ओर अपने प्रगतिशील विचारों से अन्य देशों के साथ मिलकर कार्य करने के अर्थ को भी परिभाषित करता है।

-अबू धाबी से गीतांजलि सक्सेना

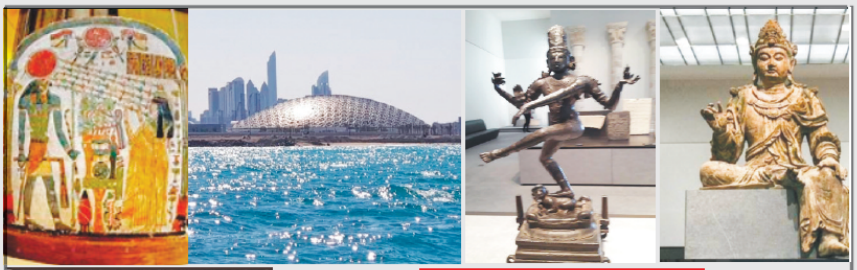

यह दो संस्कृतियों के बीच सहयोग से फ्रांसीसी डिजाइन को अरब विरासत से जोड़ती झिलमिल और चमकदार अनोखा वास्तुकला का प्रशंसनीय नमूना है।

अद्भुत संग्रहालय

लूव्र अबू धाबी संग्रहालय की स्थापना दो देशों के बीच साझेदारी के तहत बनाया गया है।